

1722

सिद्ध

पञ्चाजी (उप-इ) वरिष्ठ वरिष्ठ अथवा
नवमीलपा कृष्ण की विधि 1016 दिनांक
22-4-22 से अनुभव वरिष्ठ अथवा
शुद्धि का स्वरूप विभाजन वरिष्ठ
के (का) चरित्र अथवा



हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स मय इनिशियल्स जज

नम्बर व
अहकाम
हुक्म क
जारी हु

वारी से निवेदन किया कि
वारी अपनी शक्ति का इस्तेमाल
किमाना नहीं करवाकर चाहे
ही कसबत वारी इमीरियत
पर खारिज की गारी है / फर्मा
गमल है मरु इमल
साबिक दफ्तर है